नंदोत्सव में आनंद बरसाकर गाजे-बाजे से नगर भ्रमण पर निकले गोविंददेवजी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाद्रपद कृष्ण पक्ष नवमी, रविवार को ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी में नंदोत्सव का आयोजन भक्ति और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। सुबह ठाकुर श्रीजी को केसरिया रंग की पोशाक, पुष्प शृंगार और विशेष अलंकार धारण कराए गए। धूप झांकी खुलते ही वेद मंत्रों के बीच अधिवास पूजन हुआ। इसके बाद श्रृंगार आरती और तिल-यवदान पूजन सम्पन्न हुआ।

मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में परंपरागत नंदोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर करीब एक हजार किलो कपड़े, फल, खिलौने, ट्रॉफियां की टोकरियां उत्साहित भक्तों के बीच उछाली गईं। नन्द के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। उछाल लूटने के लिए भक्तों में होड़ सी मच गई। जिसके पास जो भी सामान आया उसे पाकर धन्य हो उठा। जिसके पास ज्यादा आ गया उसने दूसरे को लुटा दिया। अपनों के बीच अपनों की खुशियों की इस उछाल का क्रम कई देर चला। शाम को ठाकुर श्रीजी की शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से रवाना हुई।

महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने विभिन्न संत-महंतों की उपस्थिति में आरती कर शोभायात्रा को प्रस्थान कराया। विशेष फूलों से सजे रथ पर विराजमान ठाकुर श्रीजी जब बाहर निकले तो पूरा मार्ग श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हो गया। शोभायात्रा में कुल 22 झांकियां शामिल हुईं। प्रथम पूज्य गणपति का प्रतीक हाथी पर पंचरंगा निशान थामे महावत के रूप में चल रहा था। ऊंट-घोड़ों का लवाजमा, बैलगाड़ी पर शहनाई वादन और बैंड-बाजों की स्वर लहरियों ने शोभायात्रा की भव्यता को बढ़ाया।

जयपुर के आराध्यदेव राधा-गोविंददेवजी मंदिर में नंदोत्सव पर छप्पन भोग की झांकी सजाई।

मुख्य झांकियों में गणेश जी, तिरुपति बालाजी, श्री अक्रूर जी, राधा-कृष्ण स्वरूप, षड्भुज महाप्रभु, राधारमण-मादनमोहन, गौर गोविंद महिला मंडल और गौसेवा झांकी प्रमुख आकर्षण रहीं।

शोभायात्रा मार्ग में सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों ने जगह-जगह स्वागत किया। भव्य स्वागत द्वार और मंच सजाए गए, जहां से पुष्पवर्षा की गई और ठाकुर श्रीजी की आरती उतारी गई। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, सांसद मंजू शर्मा, मालवीय नगर विधायक काली चरण सराफ, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, हवा महल विधायक बालमुकुंद आचार्य, जयपुर नगर निगम हेरिटेज महापौर कुसुम यादव सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों, विभिन्न मंदिरों के संतों महंतों, व्यापार मंडलों

- **शोभायात्रा में उमड़ा भारी जनसैलाब, आराध्यदेव के जयकारों से गूंजी छोटी काशी**

के पदाधिकारियों , पुलिस प्रशासन के अधिकारियों, समाजसेवियों और आम लोगों ने ने विभिन्न स्थानों पर ठाकुर जी की आरती की। जगह-जगह हुए ठाकुर जी के स्वागत के कारण ढाई किलो मीटर की शोभायात्रा को मार्ग तय करने में करीब 6 घंटे लगे ।

गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के मार्गदर्शन में कीर्तन मंडलियां और भजन संकीर्तन समूह लगातार भक्ति रस बरसाते रहे। बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां, युवक एवं बालक-बालिकाएं शोभायात्रा में शामिल होकर हरे नाम संकीर्तन करते हुए आगे बढ़ रहे थे। पारंपरिक वाद्य यंत्रों को बजाती हुई कीर्तन मंडली नृत्य करती हुई चल रही थी। हजारों श्रद्धालु ठाकुर श्रीजी की एक झलक पाने को आतुर दिखाई दिए। मार्ग में लोगों ने फूलों की वर्षा और जयकारों से वातावरण को उल्लासमय बना दिया। भीड़ के बावजूद अनुशासन और भक्ति का अद्भुत सामंजस्य देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना के साथ किया गोविंददेवजी की शोभायात्रा का शुभारंभ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दूसरे दिन रविवार को श्री गोविंददेव जी मंदिर पहुंचकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दूसरे दिन रविवार को श्री गोविंददेव जी मंदिर मेंविधिवत पूजा अर्चना के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शर्मा ने शोभायात्रा के रथ में विराजमान जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंददेव जी के चित्रस्वरूप की पूजा अर्चना एवं आरती कर प्रदेश में सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री के मंदिर में पहुंचने पर महंत ने उनका स्वागत किया। शर्मा ने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और

- **मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने भगवान गोविंददेव जी के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बनाया।**

उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने भगवान गोविंददेव जी के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा, विधायक बालमुकुंदाचार्य, जयपुर नगर निगम हैरिटेज महापौर कुसुम यादव सहित गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि श्री गोविंददेव जी मंदिर में प्रतिवर्ष जन्माष्टमी के दूसरे दिन धूम-धाम से नंदोत्सव मनाया जाता है और शहर के प्रमुख मार्गों से शोभायात्रा निकाली जाती है। इस शोभायात्रा में विभिन्न मनमोहक झांकियां शामिल की जाती है।

'जयदेव पाठक राष्ट्रीय विचारों के शिल्पकार'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय के मानविकी सभागार में आयोजित जयदेव पाठक जन्म शताब्दी समारोह में कहा कि श्रद्धेय जयदेव पाठक के साथ उनका बहुत लंबा सफर रहा, वे उनके आदर्श है। शिक्षक संघ में कार्य करते हुए उनका सानिध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने हमेशा स्वयं पर कम से कम खर्चा करते हुए, बहुत मित्तव्ययता से रहते हुए समाज को अधिक से अधिक देने का प्रयास किया। देवनानी ने कहा कि उन्हीं के दिए संस्कारों के कारण जीवन यात्रा में वे ऊंचाइयों तक पहुंच सके हैं। पाठक का जीवन राष्ट्र उत्थान को समर्पित रहा। वे समाज के आदर्श हैं। उनका संपूर्ण जीवन शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा। वे जीवन में स्वयं के प्रति बहुत कठोर थे लेकिन लोगों के लिए वे स्नेह और प्रेम की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने कहा की शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम ही नहीं है बल्कि यह बालक के चरित्र निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण का माध्यम है।

देवनानी ने शिक्षक संघ राष्ट्रीय का उल्लेख करते हुए कहा कि इस विशाल संगठन से जुड़े कार्यकर्ता सदैव

- **चरित्र, समाज और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है शिक्षा : विधानसभाध्यक्ष**
- **राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) ने किया श्रद्धेय जयदेव पाठक जन्म शताब्दी समारोह संगोष्ठी का आयोजन**

राष्ट्र प्रथम की भावना को मन में रखते हुए बालक को शिक्षा के साथ नैतिकता, ईमानदारी और चरित्र का पाठ भी पढ़ाते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों से पाठक जी के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आव्हान करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती और श्रद्धेय जयदेव पाठक के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना से हुआ।

प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा ने बताया कि संगठन द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत के पश्चात प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री बसंत जिंदल ने सभी अतिथियों का परिचय कराया। उन्होंने संगठन की रीति- नीति, कार्यशैली पर प्रकाश डाला। उन्होंने संगठन द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों कर्तव्य बोध संगोष्ठी, नववर्ष कार्यक्रम, सामाजिक समरसता कार्यक्रम, गुरु वंदन कार्यक्रम, विमर्श कार्यशाला, संभाग विकास वर्ग एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आवाहन पर राजस्थान के 50 जिलों एवं 400 उपशाखाओ के सभी विद्यालयों में 1 सितंबर 2025 को मेरा विद्यालय मेरा स्वाभिमान कार्यक्रम आयोजित कर सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण से संबंधित पांच संकल्प दिलाएगा। संपूर्ण देश में यह कार्यक्रम 5 लाख से अधिक विद्यालयों में होगा। यह कार्यक्रम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होने जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिवप्रसाद अखिल भारतीय मंत्री विद्या भारती ने श्रद्धेय जयदेव पाठक के जीवन के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मैट्रिक परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने के बाद 1942 में वे अंग्रेजो के विरुद्ध भारत छोड़ो आंदोलन में कूद पड़े।

उन्होंने अपना घर छोड़ दिया और आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग लिया। भोजन कभी मिला तो कर लिया नहीं तो चने चबाकर समय गुजारा, कभी सोने को जगह नहीं मिली तो रेल्वे प्लेट फार्म पर ही सो गए लेकिन देशभक्ति की चिंगारी को बुझने नहीं दिया। उन्होंने राजस्थान शिक्षक संघ को राज्य का सबसे बड़ा और प्रभावी संघठन बनाया। राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पण और अपने लिए कुछ न लेने का उत्कृष्ट उदाहरण पाठकजी में ही देखा जा सकता है। अपने श्रेष्ठ और कर्म मय जीवन से अनगिनत कार्यकर्ताओ को प्रेरणा देकर उस महापुरुष ने उनके जीवन को संस्कारित कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विमल प्रसाद अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर ने गुरु के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि हमे व्यक्ति की पूजा नहीं, बल्कि उसके गुणों की पूजा करनी चाहिए, पाठक जी जैसे महापुरुषों के सद्गुणों को जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्य की सिद्धि के लिए उपकरणों का महत्व नहीं है, बल्कि व्यक्ति की साधना ही उसे परिणाम तक पहुंचाती हैं। अपने मन, बुद्धि और आत्मा को शुद्ध करके व्यष्टि, सृष्टि, समष्टि और परमेष्ठी चारो का एक दूसरे के साथ समन्वय कर व्यक्ति अपना सर्वांग विकास कर परम् वैभव की स्थिति तक पहुंच सकता है। संगठन के जयपुर संभाग उपाध्यक्ष जयराम जाट ने सभी अतिथियों शिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महिला मंत्री गीता जैलिया ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

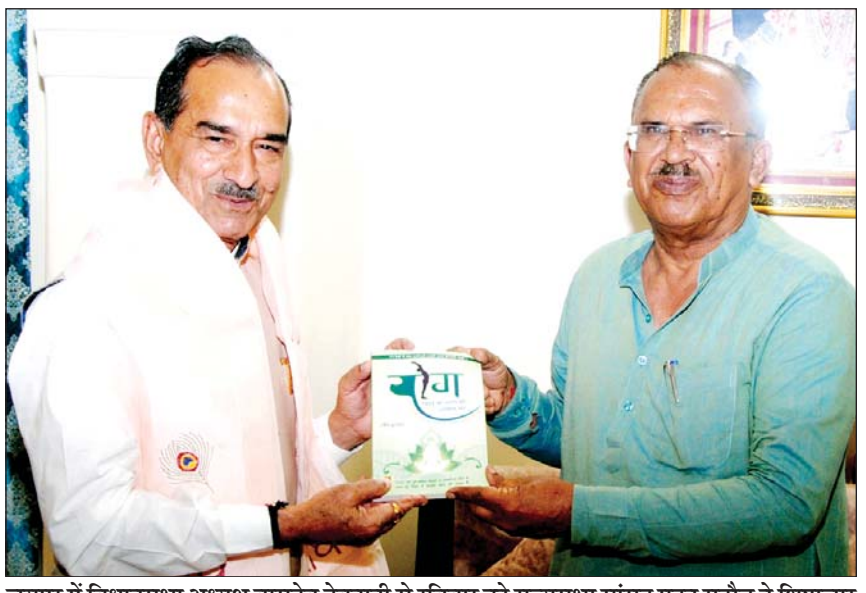
जयपुर में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से रविवार को राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सांसद राठौड़ को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ''योग - विश्व को भारत की अनमोल भेंट'' पुस्तक भेंट की। दोनों ने साहित्य, समाज और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर पर चर्चा की। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने इस अवसर पर कहा कि विचार और संस्कृति से जुड़ा साहित्य समाज को नई दिशा देने का कार्य करता हैं।

राज्यपाल ने आदिवासियों के मध्य मनाया अपना जन्म दिन

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अपना जन्म दिन आदिवासी लोगों के साथ मिल-बैठकर मनाया। अपने जन्म दिन की पूर्व सांझ वह सलूम्बर जिले के ग्राम बरोड़ा पहुंचे थे। रात्रि विश्राम भी उन्होंने आदिवासी गांव में ही किया। उन्होंने रात्रि में लोगों के साथ चौपाल की। खाट पर बैठकर जनजातीय लोगों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान जनजातीय समुदाय राज्यपाल को अपने बीच पाकर अभिभूत हो गया। बच्चों ने राज्यपाल के पास पहुंचकर उन्हें अपने सृजन कर्म से अवगत कराया। राज्यपाल ने भी बच्चों को दुलार देते हुए उनको प्रेरक कहानियां सुनाई। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने को जन्मदिन की बधाई दी।

डॉ. सतीश पूनियां हरियाणा प्रवास पर

जयपुर। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां सोमवार को एकदिवसीय हरियाणा प्रवास पर रहेंगे। डॉ. सतीश पूनियां सुबह 7 बजे जयपुर से सड़क मार्ग द्वारा हरियाणा के लिये प्रस्थान करेंगे, जहां वह सुबह 11 बजे रेवाड़ी में भाजपा जिला संगठनात्मक बैठक और दोपहर 2:30 बजे नारनौल में महेंद्रगढ़ भाजपा जिला संगठनात्मक बैठक को संबोधित करेंगे। इस दौरान डॉ. सतीश पूनियां रेवाड़ी से लेकर नारनौल तक विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी करेंगे।

झोटवाड़ा में 15.75 करोड़ की लागत से हाईटेंशन विद्युत लाइनें होंगी भूमिगत

जयपुर । कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा विधायक राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने झोटवाड़ा क्षेत्र में 15.75 करोड़ की लागत से हाई टेंशन लाइन को भूमिगत करने का काम किया है। इसके लिए स्थानीय लोगों ने मंत्री राठौड़ का धन्यवाद और आभार जताया। लोगों ने कहा कि हम लोग 22 साल से यहां रह रहे हैं और हाइटेंशन लाइन से बहुत परेशान थे और आज हम बहुत खुश हैं कि हमारा सपना पूरा हो रहा। मंत्री राठौड़ ने कहा कि 15.75 करोड़ की लागत से 132 केवी हाईटेंशन लाइन जल्द भूमिगत होगी। उन्होंने हाइटेंशन लाइन एरिया का निरीक्षण किया और कहा कि पहली बार झोटवाड़ा में 15.75 करोड़ का बजट इस जनहितैषी कार्य के लिए मंजूर हुआ।

कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा विधायक राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने झोटवाड़ा क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन एरिया का निरीक्षण किया।

मंत्री खर्रा ने प्रवासी राजस्थानियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया

नगरीय विकास मंत्री ने झाबर सिंह खर्रा ने पुणे में राजस्थान फाउंडेशन चैप्टर का शुभारंभ किया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा की गई घोषणा को साकार करते हुए पुणे में राजस्थान फाउंडेशन के नए चैप्टर की शुरुआत की गई। इस अवसर पर आयोजित प्रवासी राजस्थानी संवाद समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान के नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने राजस्थान फाउंडेशन के पुणे चैप्टर का औपचारिक शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में पुणे चैप्टर की कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों और बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम प्रवासी समुदाय के लिए न केवल अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर बना, बल्कि उन्हें राजस्थान सरकार की योजनाओं, निवेश संभावनाओं और सामाजिक-आर्थिक भागीदारी से भी जोड़ने वाला एक सशक्त मंच साबित हुआ।

राज्यमंत्री खर्रा ने पुणे चैप्टर के नव नियुक्त अध्यक्ष मंगल चौधरी व सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान सरकार प्रवासी राजस्थानियों को राज्य के विकास का अभिन्न अंग मानती है। प्रवासियों ने अपनी कर्मभूमि में मेहनत और प्रतिभा से नाम कमाया है और अब समय है कि वे अपने अनुभव, निवेश और वैश्विक नेटवर्क को अपनी मातृभूमि राजस्थान की प्रगति में साझा करें। खर्रा ने सभी प्रवासियों से आग्रह किया कि वे मातृभूमि से जुड़कर उद्योग, व्यापार और सामाजिक क्षेत्रों में निवेश एवं सहयोग बढ़ाएं। राजस्थान सरकार की ओर से उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराई जाएगी।

राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने राजस्थान फाउंडेशन की गतिविधियों और राजस्थान सरकार द्वारा प्रवासियों के हितों की रक्षा के किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार इस वर्ष 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रवासी समुदाय के योगदान एवं उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने हेतु प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, नवगठित 14 चैप्टर्स के माध्यम से प्रवासी समुदाय को राज्य की कल्याणकारी योजनाओं और निवेश अवसरों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है। । इस मौके पर सांसद पी. पी. चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर उपस्थित प्रवासियों को संबोधित किया और राजस्थान फाउंडेशन पुणे चैप्टर की पूरी टीम को बधाई दी।

जेडीसी आनंदी के निर्देश पर मुख्यालय में लगाया विशेष समाधान शिविर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के नागरिक सेवा केन्द्र में रविवार को विशेष समाधान शिविर लगाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्राधिकरण की ऑनलाइन सेवाओं से संबंधित ऐसे मामलों का त्वरित और उचित निपटारा करना था जिनकी समय सीमा पूरी हो चुकी थी।

शिविर का निरीक्षण करते हुए जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने बताया कि यह शिविर विशेष रूप से उन मामलों के लिए आयोजित किया गया था, जो लंबे समय से लंबित थे। उन्होंने कहा, "हमने ऐसे प्रकरणो को प्राथमिकता से चुना है, जिनका अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच कई बार बिना किसी अंतिम निष्कर्ष के कारण घूमने से निस्तारण नहीं हो पाया है।" जेडीसी ने बताया कि लंबे समय से लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु उपायुक्तो को प्रदत्त निर्देशानुसार चिह्नित 410 प्रकरणों के आवेदको को शिविर में उपस्थित होने हेतु आमंत्रित किया गया। जेडीसी ने कहा कि इसका एक मुख्य कारण नियमों की अस्पष्टता या कई स्तरों से अनुमोदन प्राप्त करने में लगने वाला समय हो सकता है। ऐसे में, आम जनता को बेवजह परेशानी न हो, इसी उद्देश्य के साथ यह शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में जेडीए के सभी महत्वपूर्ण विभागों - जोन, विभिन्न सेल, वित्त,

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने रविवार को जेडीए के नागरिक सेवा केन्द्र में लगाए गए विशेष शिविर का निरीक्षण किया।

विधि और आयोजना शाखा के कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित रहे, ताकि मौके पर ही निर्णय लेकर मामलों को अंतिम रूप दिया जा सके।

जेडीसी ने विश्वास जताया कि इस तरह के शिविरों से जेडीए के कामकाज में दक्षता बढ़ेगी। एक ही फाइल का बार-बार विभिन्न डेस्क पर आना कर्मचारियों का समय और ऊर्जा दोनों बर्बाद करता है। उन्होंने बताया कि इस शिविर की घोषणा के बाद से ही, पिछले एक हफ्ते में कई मामलों का निपटारा किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा, जब तक कि लंबित मामलों की संख्या में कमी नहीं आती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन शिविरों से प्राप्त अनुभव के आधार पर, जेडीए उन कारणों को समझ पाएगा जिनकी वजह से देरी होती है और आने वाले समय में ऐसी समस्याओं को पहले ही निस्तारित कर लिया जाएगा।

अंततः एक समय ऐसा आएगा जब इस प्रकार के शिविरों की आवश्यकता ही नहीं पडेगी, क्योंकि जेडीए द्वारा इस तरह की पारदर्शी प्रणाली और एसओपी

- **इसका उद्देश्य जेडीए की ऑनलाइन सेवाओं से संबधित प्रकरणों में त्वरित और उचित निपटारा करना था**
- **410 प्रकरणों के आवेदकों को शिविर में बुलाया गया था, जिनमें से 134 उपस्थित हुए**

लागू गई है, जिससे आमजन से जुड़े कार्यों में स्वतः ही पारदर्शिता और गति आ जाएगी। शिविर में 410 आवेदकों को आमंत्रित किया गया था। जिनमें से 134 उपस्थित हुए एवं 251 अनुपस्थित रहे। उक्त में से 188 प्रकरणों का निस्तारण किया गया एवं 37 प्रकरणों को नियमानुसार कार्यवाही नहीं किए जाने की स्थिति में रद्द/डिस्पोज किया गया। 105 प्रकरणों में आवेदक के स्तर पर कार्यवाही अपेक्षित हैं, उनके द्वारा प्रत्युत्तर प्राप्त होने पर प्रकरणों का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जाएगा एवं 34 प्रकरणों में जोन स्तर पर कार्यवाही की जानी प्रस्तावित है, जिनका भी शीघ्र निस्तारण कर दिया जाएगा।